विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -पंचम ,विषय- हिंदी व्याकरण

दिनांक-02-08-2021   एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ -8 सर्वनाम

सुप्रभात बच्चो,

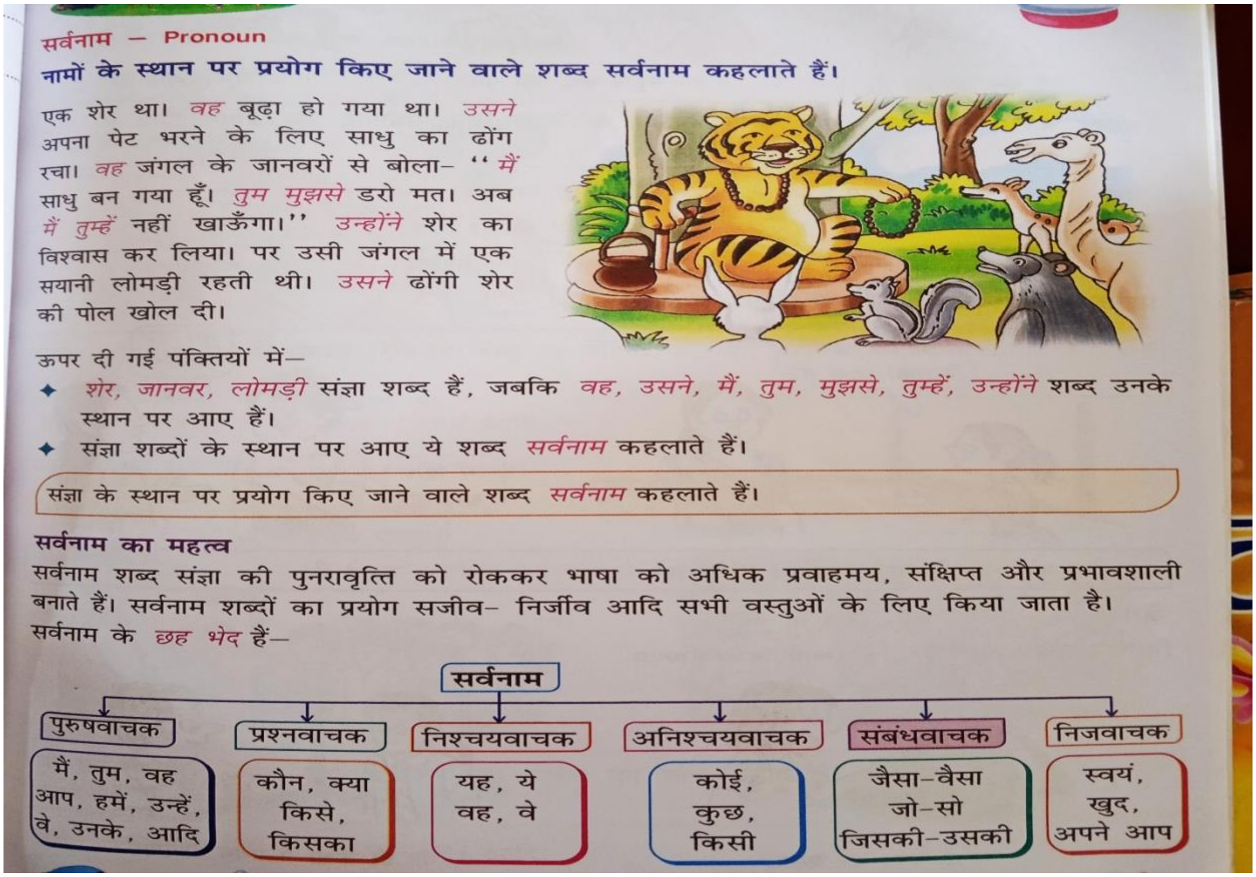

सर्वनाम — Pronoun

नामों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

एक शेर था। *वह* बूढ़ा हो गया था। *उसने* अपना पेट भरने के लिए साधु का ढोंग रचा। *वह* जंगल के जानवरों से बोला– "*मैं* साधु बन गया हूँ। *तुम मुझसे* डरो मत। अब *मैं तुम्हें* नहीं खाऊँगा।" *उन्होंने* शेर का विश्वास कर लिया। पर उसी जंगल में एक सयानी लोमड़ी रहती थी। *उसने* ढोंगी शेर की पोल खोल दी।

ऊपर दी गई पंक्तियों में—

- *शेर, जानवर, लोमड़ी* संज्ञा शब्द हैं, जबकि *वह, उसने, मैं, तुम, मुझसे, तुम्हें, उन्होंने* शब्द उनके स्थान पर आए हैं।
- संज्ञा शब्दों के स्थान पर आए ये शब्द *सर्वनाम* कहलाते हैं।

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द *सर्वनाम* कहलाते हैं।

सर्वनाम का महत्व

सर्वनाम शब्द संज्ञा की पुनरावृत्ति को रोककर भाषा को अधिक प्रवाहमय, संक्षिप्त और प्रभावशाली बनाते हैं। सर्वनाम शब्दों का प्रयोग सजीव- निर्जीव आदि सभी वस्तुओं के लिए किया जाता है।

सर्वनाम के *छह भेद* हैं—

सर्वनाम

पुरुषवाचक	प्रश्नवाचक	निश्चयवाचक	अनिश्चयवाचक	संबंधवाचक	निजवाचक
मैं, तुम, वह आप, हमें, उन्हें, वे, उनके, आदि	कौन, क्या किसे, किसका	यह, ये वह, वे	कोई, कुछ, किसी	जैसा–वैसा जो–सो जिसकी–उसकी	स्वयं, खुद, अपने आप

गृहकार्य-

दिए ,गए अध्ययन -सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।